आज की मुरली का सरल सार Date: 16-06-2014

बाबा ने कहा, बच्चे अब तुम्हें संपूर्ण बनना है क्योंकि वापिस घर जाना हैं और फिर पावन दुनिया में आना हैं. बाबा ने संपूर्ण बनने की विधि बताते हुए कहा, संपूर्ण बनना है तो पूरा बेगर बनों.

भक्तिमार्ग में हम गाते भी है - बेगर टू प्रिन्स. बाबा ने इसे समझाते हुए बताया की ऊंचे ते ऊंच बाप है, फिर बनाते भी बच्चों को ऊंच हैं. सतयुग में नारायण से भी पहले तो श्रीकृष्ण हैं. तो बच्चों को कहना चाहिए नर से कृष्ण ना कि नर से नारायण. श्रीकृष्ण कि महिमा भी नारायण से जास्ती होती हैं क्योंकि बच्चा (श्रीकृष्ण) तो फूल होता हैं वह फिर युगल (लक्ष्मी-नारायण) हो जाते हैं. तो हम बच्चों को लक्ष्य रखना हैं श्रीकृष्ण से साथ प्रिन्स बनकर आनेका.

बाबा ने बताया कि श्रीकृष्ण से साथ प्रिन्स बनकर आने के लिए यहॉ तुम्हें संपूर्ण बेगर बनना हैं. यानी आत्मा को संपूर्ण बेगर बनने का पुरुषार्थ यहॉ करना हैं. संपूर्ण बेगर आत्मा माना पुरानी दुनिया, पूराने सम्बन्ध और पूराने शरीर से संपूर्ण वैराग्य. बाबा ने कहा तुम्हें अब सबकुछ इस पुरानी दुनिया का साधन, सम्पति, सम्बन्ध और शरीर भी यहॉ छोड़कर जाना हैं. बाबा ने कहा देह के सब सम्बन्ध छोडे तब बेगर ठहेरा.

आत्मा को मन-बुद्धि से पूराने सम्बन्ध, पुरानी दुनिया और पूराने शरीर से वैराग्य दिलाने नीचे दिया हुआ मनन-चिंतन करें.

हम जीवात्माओं ने इस बेहद के ड्रामा में पार्ट बजाते, लास्ट 83 जन्मो से अन्य जीवात्माओं से ही सम्बन्ध रखे और इसके फल स्वरूप हम नीचे ही गिरते आये, अब हमें सबसे ममत्व निकाल, एक विदेही (जिसको अपना शरीर नहीं हैं) बाप

से ही सर्व सम्बन्ध का अनुभव करना हैं. लेकिन विदेही बाप से सर्व सम्बन्ध का अनुभव हम तब कर पायेंगे जब हम अपने खुद के शरीर से भी मोह निकाल दे और स्वयं के सत्य स्वरूप, आत्मिक स्वरूप में रहने का अभ्यास करें और एक विदेही बाप से सर्व सम्बन्धों का रस ले.

हमें अब पुराना शरीर, पुराने संबंध ओर पुरानी दुनिया से ममत्व निकाल देना हैं. भक्ति में हम जिसे बार-बार पुकारते थे, आ कर हमें ये नर्क से निकालो. वही भगवान, परमप्रिय-परमपिता-परमआत्मा शिवबाबा, हमें साथ ले जाने के लिए आये है. बाबा ने कहा है, वो हमें अपने नैनों पर बिठा कर ले जायेंगे. बाबा, हमारे लिए नयी सतयुगी दुनिया स्थापन करने के लिये आये हैं. सतयुग में कोई बीमार नहीं होगा, कोई दुख नहीं होगा. प्रकृति भी संपूर्ण सतोप्रधान होगी. सर्वस्व सुख ओर शांति होगी.

ऐसे-ऐसे विचार करने से पुराना शरीर, पुराने संबंध ओर पुरानी दुनिया से ममत्व निकाल जायेगा ओर हम खुशी-खुशी बाबा की गोद में चले जायेंगे ओर बाबा हमें फिर नयी दुनिया में भेज देंगे.

सारे ज्ञान का सार है, मेरा ये अन्तिम जन्म है, मुझे खुशी-खुशी ये पुराने शरीर को त्याग कर मेरे प्यारे-प्यारे बाबा के साथ अब घर जाना हैं, फिर श्रीकृष्ण के साथ सतयुग में आना हैं.

"बाबा के पास जाना हैं, फिर श्रीकृष्ण के साथ आना हैं."

ॐ शांति.

Pls. provide your feedback to Atma Bhai on email - a.brahmin.soul@gmail.com
www.omshanti.com